

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नित-नूतन उपलब्धियों को हासिल करता विश्व-फलक पर चमकता सितारा



www.gbu.ac.in



गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को टॉप
शीर्ष दस में स्थान प्राप्त हुआ

→ 20 प्रभावशाली कुलपतियों में प्रो.
रवीन्द्र कुमार सिन्हा

→ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को बिजनेस स्कूलों
में पाँचवाँ स्थान प्राप्त

वर्ष : 2

अंक : 7



0 35545 62336 78 1

न्यूज़ लेटर
हिन्दी संस्करण
सितम्बर-अक्टूबर 2024



न्यूज़ लेटर का दूसरे वर्ष में पदार्पण

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का यह न्यूज़ लेटर एक वर्ष से सफलतापूर्वक प्रकाशित हो रहा है तथा अब दूसरे वर्ष में कदम रख रहा है। यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों व योजनाओं को रेखांकित करता है। चूंकि सितंबर-अक्टूबर माह त्यौहारों और उत्सवों का माह होता है। इसलिए इस न्यूज़ लेटर का सितंबर-अक्टूबर अंक सांस्कृतिक समारोहों और शैक्षणिक गतिविधियों से समृद्ध, हमारे परिसर जीवन के जीवंत सार को दर्शाता है। इस अवधि को महत्वपूर्ण घटनाओं द्वारा चिह्नित किया गया है जो विश्वविद्यालय की खुशी और छात्रों और शिक्षकों के अध्ययन के प्रति समर्पण दोनों को उजागर करती हैं।

इस माह विश्वविद्यालय में नवरात्रि और दीपावली मनाई गई, जो कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। एक ओर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कला प्रदर्शनों और पारंपरिक उत्सवों में भागीदारी ने विश्वविद्यालय समुदाय की समृद्ध विविधता और विरासत को प्रदर्शित किया तो दूसरी ओर विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठियाँ, सेमिनार तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों ने ज्ञान की गहराई में पहुँचने का अवसर प्रदान किया। एक ओर विश्वविद्यालय में प्रवेश की भारी मात्रा से उत्साह बढ़ा तो दूसरी ओर अक्टूबर की समाप्ति मध्यसत्रीय परीक्षा के साथ हुई। एक ओर छात्रों और प्राध्यापकों ने शोध एवं सृजनात्मक लेखन के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की तो दूसरी ओर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा का नाम शीर्ष स्थान पर रहा।

इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान अपने छात्रों एवं फेकल्टीज़ की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहनीय है। इस दीपावली के अवसर पर विश्वविद्यालय अपनी उपलब्धियों से रौशन हो रहा है तथा यह न्यूज़ लेटर शब्द-ब्रह्म के माध्यम से विश्वविद्यालय में सकारात्मक ऊर्जा का विकास कर रहा है।





स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 : 4 सितम्बर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 का आंतरिक चरण आयोजित किया गया। जिसमें 38 टीमों ने पंजीकरण कराया। कुल 224 प्रतिभागियों में से 152 पुरुष और 72 महिलाएँ थीं। 12 घंटे का हैकाथॉन विश्वविद्यालय के केंद्रीय कंप्यूटर केंद्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की देखरेख डॉ. राजू पाल, एसपीओसी, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 और डॉ. विनय लिटोरिया, समन्वयक, एसआईएच 2024 द्वारा की गई।

प्रतिभागियों ने विभिन्न सरकारी संगठनों द्वारा प्रकाशित समस्या कथनों पर काम किया। जिनमें कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, एआईसीटीई, गुजरात सरकार, रक्षा मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, दिल्ली एनसीटी सरकार, राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन और संचार मंत्रालय शामिल थे। पंजीकृत टीमों ने अपने नवाचारी विचारों को बेहतर बनाने के लिए वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा कठोर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मूल्यांकन के लिए विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों की जूरी टीम बनाई गई, जिसमें डॉ. दीप्ति सिंह, व्यावसायिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय, डॉ. ओमवीर सिंह, इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. विक्रम करुणा, कानून, न्याय और शासन संकाय और स्कूल ऑफ आईसीटी से डॉ. अरुण सोलंकी, डॉ. विमलेश कुमार, डॉ. आरती गौतम आदि शामिल रहें। मूल्यांकन के बाद, 25 टीमों को एसआईएच 2024 के लिए संभावित नामांकन के लिए चुना गया, जबकि 5 टीमों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया।



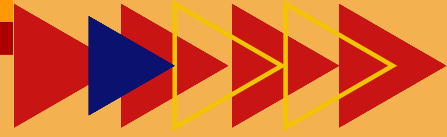
शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रो. बंदना पाण्डेय के साथ शिक्षकगण तथा विद्यार्थी

शिक्षक दिवस : जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता और जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बंदना पांडेय ने 'वृक्षारोपण' कर प्रकृति के प्रति अपना उद्गार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों को संबोधित किया कि "आप लोग, अपने माता-पिता की बंद आँखों के सपने होते हैं, पर हमारी खुली आँखों की उड़ान हो। आम लोग वैसे तो बंद आँखों से सपना देखते हैं लेकिन एक विद्यार्थी, किसी शिक्षक की खुली आँखों का सपना होता है। एक शिक्षक अपने हर विद्यार्थी को उस काबिल बनाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं जिसके दम पर कोई विद्यार्थी सफलता के शिखर को छू लेता है"। उन्होंने अपने वक्तव्य में शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित किया कि शिक्षक और गुरु में भी अंतर होता है, शिक्षक वह है जो सिर्फ शिक्षण देते हैं और किसी खास विषय में प्रशिक्षण देते हैं, लेकिन गुरु वह होता है जिसमें ज्ञान प्राप्त करने की अप्रतिम अभिलाषा होती है और साथ ही साथ उनमें किसी विद्यार्थी को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाकर उसका समस्त जीवन प्रकाशमय कर देने की क्षमता भी होती है। हम ऐसे ही एक महान शिक्षाविद व गुरु डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर आज शिक्षक दिवस मना रहे हैं। उन्होंने अपनी बात का अंत करते हुए कहा कि "अर्क-ए-खुशबू हो, बिखरने से न रोके कोई और जब बिखरो तो, न तुमको समेटे कोई।"

इस अवसर पर जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार, डॉ. विमलेश कुमार, डॉ. कुमार प्रियतम, डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. प्रतिमा, मिस करुणा सिंह एवं शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्रुति कंवर ने भी अपने-अपने शिक्षकों को नमन करते हुए अपने अनुभव विद्यार्थियों के संग साझा किया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति की।



शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा बुद्ध वंदना का प्रस्तुतिकरण



शिक्षक दिवस गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अन्य संकायों में भी धूमधाम से मनाया गया। स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल ऑफ आईसीटी की अधिष्ठाता डॉ. संजय शर्मा और स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट एंड सिविलाइजेशन की अधिष्ठाता डॉ. श्वेता आनंद शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा तथा डॉ. श्वेता आनंद ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा और दर्शन में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट एंड सिविलाइजेशन छात्रों ने बुद्ध वंदना प्रस्तुत की तथा स्कूल ऑफ आईसीटी के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तथा विश्वविद्यालय के म्यूजिकल क्लब के मनमोहक संगीत से सभागार मुग्ध हो गया।



वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा



डॉ. अक्षय कुमार सिंह के साथ फेक्ल्टीज़ एवं विद्यार्थी

राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग द्वारा शिक्षक दिवस पर समसामयिक विषय "क्या एआई शिक्षकों की जगह ले सकता है?" पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अक्षय कुमार सिंह ने आज की तकनीकी शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका पर एक विशेष व्याख्यान के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हार्दिक (बी.ए. तृतीय वर्ष) और मनीषा (पीएच.डी. छात्रा) ने अपने गीतों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने बहस

में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और प्रस्ताव के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को स्नेहा (बी.ए. प्रथम वर्ष), उमेश और आरुषि (बीए द्वितीय वर्ष) और हर्षित (बीए तृतीय वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ वक्ता के लिए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।



मीडिया भ्रमण के दौरान जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थी

जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र-छात्राओं का मीडिया भ्रमण : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र एवं छात्राओं के लिए 6 सितम्बर को मीडिया भ्रमण का आयोजन किया गया। इसके तहत विद्यार्थियों ने एक प्रतिष्ठित समाचार चैनल न्यूज-नेशन की व्यावहारिक कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। इस मीडिया भ्रमण में बी.ए. जनसंचार के प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता और जन संचार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पांडेय ने मीडिया भ्रमण के बारे में बताया कि यह विभाग के समस्त छात्र-छात्राओं के लिए एक ऐसा व्यावहारिक अध्ययन होता है जिसमें विद्यार्थी किसी प्रमुख समाचार चैनल या मीडिया संस्थान में जाकर वहाँ समाचार सामग्री निर्माण के हर पहलू से लेकर, उसके प्रसारण की जटिल प्रक्रिया को देखते और समझते हैं। चूंकि अधिकांश विद्यार्थियों को निकट भविष्य में किसी मीडिया संस्थान में जाकर ही कार्य करना है, इसलिए अध्ययन के दौरान ही उन्हें अपने कार्यक्षेत्र को देखने और समझने का एक अवसर भी इस मीडिया भ्रमण से मिलता है। हमारा विभाग, समय-समय पर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया संस्थानों में अपने सभी छात्रों को मीडिया भ्रमण के अवसर को उपलब्ध कराता रहता है।

इस मीडिया भ्रमण में बीए जनसंचार के विद्यार्थियों एवं उनके साथ मार्गदर्शक के रूप में विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष वर्मा एवं डॉ. प्रतिमा शामिल रहें।



मदर डेयरी प्लांट में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थी

एमबीए छात्रों के लिए औद्योगिक यात्रा : 6 सितंबर को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने एमबीए के छात्रों के लिए एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में छात्रों ने डेयरी ब्रांड मदर डेयरी प्लांट, दिल्ली का भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को डेयरी उद्योग में परिचालन, पेचीदगियों और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर एक वास्तविक दुनिया का परिप्रेक्ष्य प्रदान करना है, जिससे व्यापार परिदृश्य की गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है।

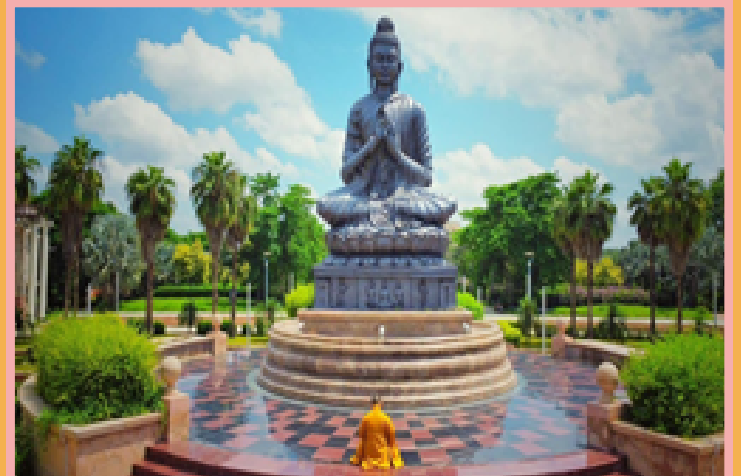
छात्रों का स्वागत मदर डेयरी की प्रबंधन टीम द्वारा किया गया, जिसने कंपनी के इतिहास, संचालन और भारत के डेयरी उद्योग के बड़े ढांचे में भूमिका पर एक परिचयात्मक सत्र के साथ शुरुआत की। सत्र का नेतृत्व मदर डेयरी प्लांट के एचआर आरकेआर रेणु पिल्लई ने किया, जिन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कंपनी सख्त सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए दूध संग्रह, प्रसंस्करण, वितरण और गुणवत्ता नियंत्रण को कुशलतापूर्वक किस प्रकार प्रबंधित करती है। परिचयात्मक सत्र के बाद छात्रों को उत्पादन सुविधा का एक निर्देशित टास्क दिया गया जिसमें उन्हें दूध संग्रह से लेकर पैकेजिंग तक एंड-टू-एंड प्रक्रिया का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई।

छात्रों को तकनीकी कर्मचारियों और उत्पादन प्रबंधकों के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने परिचालन चुनौतियों, प्रौद्योगिकी एकीकरण और डेयरी उद्योग में भविष्य के रुझानों से संबंधित प्रश्न पूछे। इस यात्रा के विषय में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की अधिष्ठाता डॉ. इंदु उप्रेती ने कहा, “इस तरह के दौरे हमारे अध्यापन के अभिन्न अंग हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे छात्र अकादमिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रदर्शन दोनों से लैस हैं, उन्हें उद्योग में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार करते हैं”। इस यात्रा में डॉ. विनय कुमार लिटोरिया, निदेशक, कॉर्पोरेट संबंध और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अन्य संकाय सदस्य भी साथ रहें।



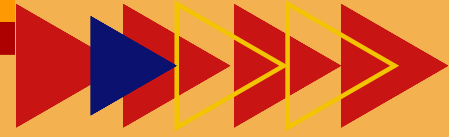
राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ अन्य

शारदा विश्वविद्यालय में कुलपति रवीन्द्र कुमार सिन्हा की शिरकत : 7 सितंबर को ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में आंगनबाड़ी केंद्रों को बाल सुलभ बनाने की कवायद के बीच शुक्रवार को यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को लगभग 700 प्री स्कूल किट सौंपी। इसमें ट्राई साइकिल, रीडिंग हॉर्स एबीसीडी सेट, एनिमल सेट, ब्लैक सेट चेयर्स स्टोरी बुक, रिंग क्ले समेत अन्य सामग्री है। इस समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, डीएम मनीष कुमार वर्मा, सांसद डॉ. महेश शर्मा, शारदा विश्वविद्यालय के कुलपति पी.के. गुप्ता, सह-कुलपति वाई.के. गुप्ता, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति रवीन्द्र कुमार सिन्हा उपस्थित रहें।



गौतम बुद्ध की प्रतिमूर्ति के सम्मुख ध्यामग्न छात्र

विपश्यना पर विशेष सत्र : 13 सितंबर को बौद्ध अध्ययन और सभ्यता संकाय द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले ध्यान केंद्र में ध्यान के शाश्वत ज्ञान को सामने लाने के उद्देश्य से विपश्यना पर एक ज्ञानवर्धक सत्र सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में धम्मदीपा भंते ने सतीपत्ताना पर एक गहन व्याख्यान दिया गया। धम्मदीपा भंते, जो कि कोरियाई बौद्ध भिक्षु हैं और कोरिया-भारत मित्रता संबंध संघ के अध्यक्ष भी हैं, ध्यान के गहन अभ्यास और समझ के लिए



प्रसिद्ध हैं। उनके पास ध्यान शिक्षक के रूप में वर्षों का अनुभव है, उन्होंने सतीपत्ताना—बौद्ध परंपरा में माइन्डफुलनेस का आधार—के सैद्धांतिक पहलुओं को समझाया और एक मार्गदर्शित विषयना ध्यान सत्र भी आयोजित हुआ, जिससे प्रतिभागी इस ध्यान के लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर पाए।

इस कार्यक्रम का लाभ प्रो. श्वेता आनंद तथा कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम सहित समस्त फेकल्टी एवं छात्र-छात्राओं ने उठाया।



‘सेमीकॉन इंडिया 2024’ में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं विद्यार्थी

सेमीकॉन इंडिया 2024 में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के फेकल्टी एवं छात्र शामिल : 11 से 13 सितंबर तक सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम ‘सेमीकॉन इंडिया 2024’ सम्पन्न हुआ। 11 सितंबर को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट के उद्घाटन में भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को गर्वान्वित किया। इस कार्यक्रम में भारत और विदेश से आए अन्य प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। पीएम मोदी ने भारत में बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग का समर्थन करने के लिए 85,000 तकनीशियनों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं का एक कुशल कार्यबल तैयार करने की सरकार की पहल पर प्रकाश डाला। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सेमीकंडक्टर, आईटी, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में राज्य सरकार की पहलों को रेखांकित किया और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के केंद्र के रूप में क्षेत्र की क्षमता को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के एप्लाइड फिजिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागों के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी और वित्त अधिकारी श्री नीरज कुमार सहित विभिन्न संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से छात्रों को प्रोत्साहित किया।



कॉलेज के टशनबाज़ कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएँ

रेड एफएम का ‘कॉलेज के टशनबाज़’ कार्यक्रम का आयोजन : 13 सितंबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने रेड एफएम के लोकप्रिय कार्यक्रम ‘कॉलेज के टशनबाज़’ की मेज़बानी की, जो छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अनूठा मंच प्रदान करता है। रेड एफएम का ‘कॉलेज के टशनबाज़’ कार्यक्रम युवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे कि गायन, नृत्य और संगीत में प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपनी अद्वितीय प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का संचालन रेड एफएम के आर.जे. रॉकी और उनकी टीम ने किया। इस आयोजन में लगभग 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसमें साठ से अधिक छात्रों ने मंच पर अपने साथियों के समक्ष अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में काव्या एंड ग्रुप, पुष्पा उपाध्याय, खुशी कुमारी, और अन्य विजेता रहे। खुशी कुमार एवं आमिष भास्कर रेड एफएम के फिनाले में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

समझौता ज्ञापन : 14 सितंबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और डेटन विश्वविद्यालय, अमेरिका के बीच कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में सेमीकंडक्टर उद्योग कौशल को लेकर समझौता ज्ञापन हुआ। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के हाइब्रिड मोड में आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य अनुसंधान व विकास को आगे बढ़ाना और संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम स्थापित करना है। इस अवसर पर यूडी में इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स विभाग के प्रो. डार्लिन वीवर, प्रोवोस्ट और अकादमिक मामलों के कार्यकारी उपाध्यक्ष तथा प्रो. एंड्रयू सारंगन एवं प्रो. पार्था पी. बनर्जी उपस्थित रहे। इस समझौते के अंतर्गत 'फंडामेंटल्स ऑफ इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' पर एक विशेष कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिसे जीबीयू और यूडी द्वारा बीटेक (ईसीई)+एमएससी फिजिक्स के विद्यार्थियों हेतु सत्र 2023-2024 के लिए संयुक्त रूप से चलाया गया था। तत्पश्चात् कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थी को प्रमाणपत्र वितरित किया गया।



हिन्दी दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए प्रो. बंदना पाण्डेय

हिन्दी-दिवस : भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी-सप्ताह का आयोजन किया गया। 14 सितंबर को हिन्दी-सप्ताह के आखिरी दिन एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सचिवालय के उपनिदेशक श्री विपिन कुमार उपस्थित रहें तथा अध्यक्षता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने किया। मुख्य अतिथि श्री विपिन कुमार ने 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा : अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान देते हुए अपने गत 28 सालों के अनुभवों के आधार पर हिन्दी भाषा में किए जा रहे कार्यों में चुनौतियों को साझा किया कि किस प्रकार इन चुनौतियों से निपटने के लिए मशीन अनुवाद तकनीक को विकसित करने और इसका उपयोग करने में इनकी भूमिका रही। कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिन्दी के विस्तार के अंतर्गत तकनीकी में प्रयोग होने वाले शब्द-विन्यास पर चर्चा करते हुए कहा कि वैज्ञानिकों को हिन्दी में शिक्षा प्रदान करना और टाइपिंग आदि सिखाना हिन्दी के विस्तार में सहायता प्रदान करेगी। अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. एन.पी.मलकानिया ने कहा कि भाषा अपनी संस्कृति को अभिव्यक्त करती है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता एवं भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पाण्डेय ने सभा को संबोधित किया कि 'यह भाषा हमारी माँ है और जब माटी की सुगंध में खुद को रचा तब मैंने प्रेमचंद, जयशंकर, महादेवी को जाना। उन्होंने उत्तर भारत एवं दक्षिण को एक सूत्र में बाँधने वाली भाषा की विशेषताओं पर बल देते हुए कहा कि विविधता में एकता भारत की विशेषता है, यह हम सभी जानते हैं, पर हम हिन्दी भाषा के माध्यम से एक हैं और हममें डायवर्सिटी (विविधता) है, यही हमारी ताकत है'।

इस अवसर पर हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. विभावरी, संचालक डॉ. प्रियंका सिंह, फेकल्टी डॉ. दिवाकर गरवा सहित विभिन्न संकायों के फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राएँ कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।



प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन : 14 से 16 सितम्बर तक स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जस्टिस विनय कुमार माथुर, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय; ने अपने वक्तव्य में कोर्ट में ड्राफ्टिंग और बहस के लिए किसी भी स्थिति में समाज में बदलाव से जुड़े रहने की निरंतर आवश्यकता को ज़रूरी बताया। उन्होंने कहा कि विधि विशेषज्ञ को इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और अन्य सभी विषयों का ज्ञान होना चाहिए और इस प्रतियोगिता में जीतने या हारने से ज्यादा महत्व भागीदारी का होता है। इसके उपरान्त विशिष्ट अतिथि जस्टिस पी.के. श्रीवास्तव, चेयरमैन, विधि आयोग, उत्तर प्रदेश, ने अपने वक्तव्य में कहा कि कानून के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के गुणों की आवश्यकता होती है जिसमें राष्ट्र की सेवा को सर्वोपरि ध्यान में रखना चाहिए। यह विधि के हित को ध्यान में रखने का समय है। तत्पश्चात् जस्टिस मनोज कुमार ओहरि, जज, दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने विशिष्ट वक्तव्य में कहा उन्होंने प्रतिभागियों को हमेशा मेहनती रहने और असफलताओं से निराश न होने की सलाह दी। उन्होंने स्वस्थ और नियमित मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं के महत्व के बारे में बात की क्योंकि वे प्रतिभागियों को अपने प्रस्तुतीकरण कौशल और अदालतों को संबोधित करने की उनकी क्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि तकनीकी विकास के आज के युग में कानून सीखना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि तकनीकी विकास कानून को चुनौती देता है।

इस प्रतियोगिता के विजेता एन एल यू (राँची), रनर-अप, आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, बेस्ट स्पीकर, तृप्ति श्रीवास्ताव (लॉयड कॉलेज) तथा बेस्ट मेमोरियल, अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ रहें। इस कार्यक्रम में देश भर से 54 टीम्स और लगभग 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतिम दौर की अध्यक्षता न्यायमूर्ति मिस ज्योति सिंह न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी, न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति विनय कुमार माथुर सेवानिवृत्त

न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने की। इस कार्यक्रम से स्कूल की सहायक प्राध्यापिका तथा विभागाध्यक्ष डॉ. रमा शर्मा, कार्यक्रम की संयोजक डॉ ममता शर्मा सहित संकाय के फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राएँ लाभान्वित हुए।



ओरिएंटेशन विजिट' कार्यक्रम के समय फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राएँ

ओरिएंटेशन विजिट' कार्यक्रम : समाज कार्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा छात्रों के लिए 17 सितम्बर को 'ओरिएंटेशन विजिट' कार्यक्रम के तहत एनजीओ 'शारदा वेलफेयर फाउंडेशन' के भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनजीओ का काम बेहतर तरीके से समझने के लिये छात्रों ने शारदा हॉस्पिटल का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर शारदा फाउंडेशन सहयोगी बबिता शर्मा और देशराज पाण्डे ने एनजीओ के पूरे काम को टीम के सामने प्रस्तुत किया और छात्रों के तमाम सवालों के जवाब भी दिए। शारदा हॉस्पिटल के रूरल हेल्थ प्रोग्राम के हेड श्री अशोक कुमार ने भी छात्रों से मुलाकात की और शारदा हॉस्पिटल के काम के बारे में बताया। इस भ्रमण के दौरान समाज कार्य विभाग के संकाय सदस्य डॉ. सिद्धारामु, डॉ. राहुल कपूर, श्री नवनीत सिंह, पूजा वर्मा और आकांक्षा तिवारी छात्रों के साथ उपस्थित रहें।



आर्मी अटैचमेंट कैंप में एनसीसी कैडेट्स का कौशल-प्रदर्शन

आर्मी अटैचमेंट कैंप में एनसीसी कैडेट्स का कौशल-प्रदर्शन : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने फतेहगढ़ कैंटोनमेंट में 17 सितंबर से 28 सितंबर 2024 तक आयोजित किए गए आर्मी अटैचमेंट कैंप में अपने कौशल का प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया। इस कैंप में विश्वविद्यालय द्वारा चयनित पाँच एनसीसी कैडेट्स - एसजीटी आरुषि शर्मा (बी.ए. इकोनॉमिक्स), सीपीएल सुरुचि बालियान (बी.ए. इकोनॉमिक्स), सीपीएल कुहेली सरेन (बी.ए. अप्लाइड साइकोलॉजी), सीडीटी विधि नागर (बी.ए. एलएलबी) और सीडीटी साक्षी झा (बी.ए. हिस्ट्री) ने 31 यूपी गर्ल्स बटालियन की ओर से प्रतिभाग किया।

कैंप के दौरान निम्नलिखित मुख्य गतिविधियाँ और आकर्षण रहे: **सेंट्रल वेपन ट्रेनिंग सिम्युलेटर (CWTS):** कैडेट्स ने सिम्युलेटर के माध्यम से विभिन्न हथियारों जैसे आरएल, एके 203, सिग और एलएमजी से फायर करने का अभ्यास किया, जिससे उनकी निशानेबाजी कौशल में सुधार हुआ।

मिलिटरी बैंड डिस्प्ले (करियप्पा ग्राउंड): मिलिटरी बैंड की अनुशासन और समन्वय ने दर्शकों को प्रभावित किया, जिससे समूह कार्य और सहयोग के महत्व को दर्शाया गया।

अम्बुश और पेट्रोल युक्ति: कैडेट्स को सैन्य रणनीतियों का व्यावहारिक अनुभव मिला, जिससे उन्हें सैन्य अभियानों की बारीकियों को समझने में मदद मिली।

नेविगेशन टैक्टिक्स: मैप रीडिंग की व्यावहारिक गतिविधियों द्वारा कैडेट्स ने नेविगेशन तकनीकों का अभ्यास किया और विभिन्न बिंदुओं का सफलतापूर्वक पता लगाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: कैडेट्स ने 'भारतीय सेना के बलिदान' पर एक नाटक में प्रतिभाग किया, जो देश के वीरों को श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत किया गया।

एनसीसी कैडेट्स ने सीटीओ डॉ. भावना जोशी के अनुसार जीबीयू कैडेट्स ने इस राष्ट्रीय कैंप में जो अनुभव प्राप्त किया है, वो उनके व्यक्तित्व और भविष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।



स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान होने वाले कार्यक्रम

स्वच्छता पखवाड़ा समारोह : स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इस अवधि के दौरान, एनएसएस स्वयंसेवकों ने परिसर, छात्रावास, औषधालय, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, निवास क्षेत्र, ग्राम, कस्बे, शहर और सभी संभव कार्य स्थलों को साफ रखने की शपथ लेने के साथ-साथ खेल मैदान, इंजीनियरिंग वर्कशॉप पार्किंग स्थल जैसे कुछ महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों की सफाई भी की।

इस रैली का उद्देश्य अन्य युवा छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, जो पृथ्वी और जीवन को स्वस्थ रखने के लिए हमारे लिए महत्वपूर्ण है। छात्रों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह राठौड़, एडिशनल डायरेक्टर, इंटरनेशनल रिलेशन, जीबीयू, कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. जे. पी. मुयाल एवं कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. अल्पा यादव, डॉ. अजय कंसल, और डॉ. नवीन कुमार भी साफ सफाई अपना योगदान दिए।



थीच ह्यू फूक संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों से बात करते हुए

वियतनामी विद्वान थीच ह्यू फूक का गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का दौरा : 20 सितम्बर को वियतनामी बौद्ध समुदाय के एक प्रतिष्ठित विद्वान और वियतनाम बौद्ध संघ के कार्यकारी परिषद के सदस्य थीच ह्यू फूक ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत में महत्वपूर्ण बौद्ध धरोहर स्थलों की तीर्थ यात्रा का हिस्सा था। इसी क्रम में उन्होंने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का भी भ्रमण किया और वियतनामी विद्यार्थियों से मुलाकात की। वे एक वियतनामी बौद्ध धम्मा सुधारक और वियतनाम में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे बुद्ध के शिक्षाओं, सांस्कृतिक गतिविधियों और चैरिटेबल कार्यक्रमों के माध्यम से फैलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे समाज के लिए लाभ हो सके।

बौद्ध अध्ययन और सभ्यता के स्कूल में थीच ह्यू फूक ने संकाय सदस्यों और वियतनामी छात्रों के साथ बातचीत की, जो बौद्ध अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल कार्यक्रमों में नामांकित हैं। इस बैठक प्रो. श्वेता आनंद सहित संकाय के समस्त सदस्य और छात्र-छात्राएँ शामिल रहे।

साप्ताहिक संकाय विकास कार्यक्रम : 23 से 27 सितम्बर तक स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड अप्लाइड साइंसेज के एप्लाइड फिजिक्स विभाग और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर) चंडीगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में हरित ऊर्जा पदार्थ और प्रौद्योगिकी विषय पर साप्ताहिक संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, मुख्य अतिथि प्रो. अश्विनी कुमार, एनआईटी कुरुक्षेत्र, शैक्षणिक अधिष्ठाता एवं स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड अप्लाइड साइंसेज के अधिष्ठाता प्रो. एन.पी. मलकानिया उपस्थित रहें।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नवीनतम ज्ञान और कौशल से लैस करना है, टिकाऊ प्रथाओं और उन्नत तकनीकी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम हरित प्रौद्योगिकियों और उनके शैक्षणिक और अनुसंधान अनुप्रयोगों के बारे में गहन जानकारी प्रदान करेगा। डॉ. अशोक कुमार ने एफडीपी के उद्देश्य और लक्ष्यों के बारे में बताया। कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक अनुभवों से प्रेरित किया। इस एफडीपी में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



जीडीडी ऑन-कैंपस जानकारी सत्र 3.0

जीडीजी ऑन-कैंपस जानकारी सत्र 3.0 : नए छात्रों को विश्वविद्यालय की तकनीकी संस्कृति और जीडीजी (गूगल डेवलपर समूह) नेटवर्क द्वारा प्रदान किए गए अवसरों से परिचित कराने के लिए 24 सितम्बर को जीडीजी ऑन-कैंपस जानकारी सत्र 3.0 आयोजित किया गया था। छात्रों को विश्वविद्यालय की तकनीकी संस्कृति और जीडीजी ऑन-कैंपस भूमिका का अवलोकन प्रदान किया गया और उन्हें

निर्देशित किया गया कि वे जीडीजी गतिविधियों (हैकथॉन, कार्यशालाओं आदि) में कैसे शामिल हो सकते हैं और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। अतिथि वक्ता, अंकित प्रताप सिंह, जिन्होंने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी अंतर्दृष्टि से हमारे दर्शकों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में यूएसओआईसीटी के 150 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।



पुष्पगुच्छ से सम्मानित करते हुए प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी : 27-28 सितम्बर को डॉ. अम्बेडकर सेण्टर फॉर द स्टडी ऑफ ह्यूमन राइट्स द्वारा दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'डॉ. अम्बेडकर का आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान: प्रभाव और प्रासंगिकता' का आयोजन हुआ। इस संगोष्ठी का उद्देश्य डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा आधुनिक भारत के निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान की समीक्षा और इसके वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संदर्भों में पुनर्मूल्यांकन था।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री आकाश पाटिल, डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, मिनिस्ट्री ऑफ़ सोशल जस्टिस ने अपने संबोधन में कहा, “डॉ. अम्बेडकर ने संविधान निर्माण में जो योगदान दिया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में रहेगा। बाबा साहब जी के योगदान को समझने के लिए भारत सरकार के द्वारा निर्मित डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर का भ्रमण भारत के प्रत्येक नागरिक को करना चाहिए जहाँ सीखने की कोई सीमा नहीं है। साथ ही उन्होंने ने कहा की बच्चों को आजकल कार्टून पत्रों में अपना सुपर हीरो देखने की जगह इस देश की स्वतंत्रता के लिए जिन्होंने अपना योगदान दिया है, उनकी वीरगाथा से प्रेरणा लेनी चाहिए”।

इस संगोष्ठी में विद्वानों और प्रमुख वक्ताओं ने एक उत्साही डेमोक्रेट के रूप में अम्बेडकर-संवैधानिक लोकतंत्र, नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के मुद्दे, भारत के आर्थिक विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान- कृषि अर्थव्यवस्था, भूमि का राष्ट्रीयकरण, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों की अवधारणा, आरबीआई और श्रम कानून आदि मुद्दे, सामाजिक

परिवर्तन और परिवर्तन में डॉ. अम्बेडकर का योगदान और सामाजिक समावेशन का उनका विचार, जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडेय ने बाबा साहब के योगदान को विकसित भारत की नींव बताते हुए कहा की ‘उनके मूल्यों और योगदान पर चल के ही एक सम्यक भारत की प्रकल्पना की जा सकती है’। डॉ. अम्बेडकर सेण्टर फॉर द स्टडी ऑफ ह्यूमन राइट्स के अध्यक्ष डॉ. पंकज दीप सहित संकाय के अन्य सदस्य भी इस संगोष्ठी से लाभान्वित हुए।



डॉ. सन्तोष कुमार तिवारी के साथ विद्यार्थी

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान : 27 सितंबर से 02 अक्टूबर तक निःशुल्क विधिक सहायता केंद्र, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पैरा लीगल वॉलंटियर्स एवं प्रो. बोनो के छात्रों ने स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विधि विभाग एवं अन्य स्कूलों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया, साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन एवं विधि एवं न्याय मंत्रालय के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सन्तोष कुमार तिवारी के साथ छात्रों ने अतिउत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया।



डॉ. डिटेर क्रोफिएटर को सम्मानित करते हुए डॉ. आनंद प्रताप सिंह

न्यूरो और बायोफीडबैक थेरेपी प्रशिक्षण और प्रमाणन

कार्यक्रम : 1 अक्टूबर को न्यूरो और बायोफीडबैक थेरेपी प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। न्यूरोफीडबैक मस्तिष्क की गतिविधियों को ट्रैक करता है, जिससे व्यक्ति को अपने मस्तिष्क की तरंगों को नियंत्रित करने की क्षमता मिलती है। बायोफीडबैक शारीरिक संकेतों जैसे हृदय की धड़कन, रक्तचाप और श्वसन की दर को मॉनिटर करता है। व्यक्ति को अपने शरीर की प्रतिक्रियाओं को समझने और नियंत्रित करने में मदद मिलती है। डॉ. आनंद प्रताप सिंह और वर्निका की पुस्तक कंडक्ट डिस्ऑर्डर और रीतेश रिकू व डॉ. आनंद प्रताप सिंह की बेसिक्स ऑफ बायोफीडबैक पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. डीटर क्रोफिएटर, सिगमंड फ्रायड विश्वविद्यालय, वियना, डॉ. कनक पांडे, इमोकोग समाधान, कनाडा, प्रो. पी. के. झा, पूर्व न्यूरोसर्जन, एम्स, नई दिल्ली सहित तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, यूपी दिल्ली आदि कई राज्यों के 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग लिया।

गांधी जयंती पर विशेषज्ञ व्याख्यान : 1 अक्टूबर को जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर "गांधी दर्शन की प्रासंगिकता" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और राजनीति विज्ञान के प्रख्यात शिक्षाविद प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आज भी महात्मा गांधी का जीवन, साहस और सत्य का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, "महात्मा गांधी साहसपूर्वक अपनी क्षमताओं और अक्षमताओं को स्वीकार करते थे और अपने सार्वजनिक जीवन में निरंतर स्वयं में परिष्कार करते रहते थे। उन्होंने महात्मा गांधी को आधुनिक भारत में भारतीय परंपरा, साहित्य, संस्कृति और वैचारिक अनुष्ठान का सबसे सशक्त संवाहक बताया। यदि हम महात्मा गांधी के व्यक्तित्व के कुछ बिंदुओं को भी आत्मसात करें तो यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी"।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि गांधी जी के द्वारा परस्पर अपने विरोधी विचारधाराओं को भी साथ लेकर चलने की क्षमता उन्हें और महान बनाती है। उनका यह विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। प्रो. सिन्हा ने इस अवसर पर महात्मा गांधी के साथ-साथ पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता और जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग की

विभागाध्यक्ष प्रो. बंदना पाण्डेय ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि गांधी दृष्टि की प्रासंगिकता पर गौर करें तो यह माना जा सकता है कि स्वतंत्र भारत जब-जब विकसित होता चला गया तब-तब गांधी के दर्शन को आधार बनाता चला गया। उन्होंने आगे कहा कि गांधी का योगदान अनुकरणीय है, वह सिर्फ एक पत्रकार ही नहीं बल्कि एक बहुत अच्छे जन-संपर्क प्रहरी भी थे। इस अवसर पर जनसंचार विभाग में चल रहे फोटोग्राफी एवं वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के आयोजन समिति में जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत कुमार, डॉ. विमलेश कुमार, डॉ. कुमार प्रियतम, डॉ. आशुतोष वर्मा, डॉ. प्रतिमा एवं मिस करुणा सिंह सहित अन्य विभागों के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी लाभान्वित हुए।

यशोधरा शिक्षा सेवा : 1 अक्टूबर को यशोधरा शिक्षा सेवा द्वारा आगाज़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम यशोधरा शिक्षा सेवा के टीम के तहत श्री पंकज शर्मा के मार्गदर्शन तथा आयुष कुमार के समन्वयन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में भाषण, नृत्य, जामिंग सत्र आदि प्रस्तुत किया गया। इसमें छात्रों ने अतिउत्साह से भाग लिया, जो कि यशोधरा शिक्षा सेवा के छात्रों के लिए यादगार कार्यक्रमों में से एक माना जायेगा।



गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती : 2 अक्टूबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती का समारोह धूमधाम से मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व शिक्षणेत्तर सदस्यों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करके की।

तत्पश्चात् एनएसएस के छात्रों द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका उद्देश्य स्वच्छता के

महत्व को उजागर करना था। नाटक में विभिन्न पात्रों के माध्यम से स्वच्छता के लाभ, प्रदूषण की समस्या और हर किसी की जिम्मेदारी को दर्शाया गया। छात्रों ने अपने संवादों के जरिए यह संदेश दिया कि सफाई केवल सरकार या किसी संस्था का काम नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है।



गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी के साथ कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति का कुलाधिपति से मुलाकात : 2 अक्टूबर को कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ जी से मुलाकात की और उन्हें विश्वविद्यालय में चल रही गतिविधियों और उपलब्धियों से अवगत कराया।



डांडिया नाइट में अभिरक्षिकाएँ एवं छात्राएँ

डांडिया नाइट : 4 अक्टूबर को महिला छात्रावास में डांडिया नाइट का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मनमोहन सिंह सिसोदिया तथा विशिष्ट अतिथि पुरुष छात्रावास के मुख्य अभिरक्षक डॉ. सुभोजित बनर्जी रहें। इस अवसर पर छात्रावास

की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें समस्त अभिरक्षिकाओं तथा छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया।



एशिया एजुकेशन रिव्यू का प्रमाण-पत्र

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को टॉप शीर्ष दस में स्थान प्राप्त : एशिया एजुकेशन रिव्यू में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को टॉप शीर्ष दस में स्थान प्राप्त हुआ। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अपनी उपलब्धियों से टॉप शीर्ष में स्थान बनाए हुए है, जो कि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है।

कार्यशाला : 6 अक्टूबर को स्कूल ऑफ आईसीटी द्वारा हैकफेड कम्युनिटी द्वारा स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी के सहयोग से 2024 टेक्नॉलॉजी ओरिएंटेशन इवेंट के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में कोडिंग ब्लॉक्स की प्रतिनिधि कनक गौतम ने डेटा स्ट्रक्चर्स तथा एल्गोरिदम तथा वेब डेवलपमेंट के विषय में छात्रों को विस्तार से बताया तथा इन क्षेत्रों में भविष्य की संभावनाओं एवं चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

इस कार्यक्रम से आईसीटी के फेकल्टीज डॉ. राजू पाल, डॉ. नीत सिंह, डॉ. अनुराग सिंह बघेल सहित छात्र-छात्राएँ लाभान्वित हुए।





द एकेडमिक इनसाइट्स द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र

20 प्रभावशाली कुलपतियों में प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा : द एकेडमिक इनसाइट्स मैगज़ीन के शोध के अनुसार गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा का नाम 20 प्रभावशाली कुलपतियों के नाम में से एक है। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के इतिहास में यह रेखांकित किया जा सकता है कि प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने इस विश्वविद्यालय के हित में कई महत्वपूर्ण कदम जैसे कि एआई, ड्रोन टेक्नॉलॉजी, आईटेप, विदेशी छात्रों को हिन्दी, नियुक्तियों के क्षेत्र में उठाए हैं।



कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा के साथ अन्य

नवरंग महोत्सव : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा 09 अक्टूबर को 'नवरंग महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें संकाय से संबंधित विभिन्न विभागों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. बंदना पांडेय, मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. पी. सिंह, अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित्रा हुड्डोम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डाला। प्रो. बंदना पांडेय ने भारतीय संस्कृति और स्त्री शक्ति की सराहना की। कार्यक्रम में रंगोली, लीपन आर्ट, वर्ली आर्ट, आरती थाली एवं बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया था तथा विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों ने पारंपरिक नृत्य तथा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और शिक्षा विभाग एवं मनोविज्ञान विभाग के छात्रों ने प्रेक्षागृह को आर्ट क्राफ्ट से सजाया। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर श्रुति कंवर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं छात्रों ने नवरंग महोत्सव का आनंद लिया।



दुर्गा पूजा एवं गणपति पूजा के अवसर पर अभिरक्षिकाएँ एवं छात्राएँ

दुर्गा पूजा एवं गणपति पूजा : 10 अक्टूबर को इस्मत चुगताई महिला छात्रावास तथा रमाबाई महिला छात्रावास में छात्राओं द्वारा दुर्गा पूजा एवं गणपति पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने पूजा के बाद पारंपरिक नृत्य, पारंपरिक वेश-भूषा में रैंप वॉक तथा संगीत का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महिला छात्रावास की मुख्य अभिरक्षिका रहीं। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने अपने हाथों से प्रसाद बनाकर वितरित किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन : 14 अक्टूबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति व दृष्टिकोण डिबेट सोसाइटी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वर्गीय कमला बहुगुणा के 100वीं जयंती के अवसर पर 'क्या भारत में महिलाओं के आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है?' विषय पर वाद-विवाद आयोजित किया गया। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने महिलाओं के लिए आरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों में से 40 प्रतिशत विपक्ष एवं 52 प्रतिशत पक्ष में अपनी बात रखी। जिसमें प्रथम स्थान आरूषि शाक्य, द्वितीय स्थान अदिति सिंह तथा तृतीय स्थान हृषिका श्रीवास्तव ने हासिल किया। इस प्रतियोगिता को आकार देने में दृष्टिकोण डिबेट सोसाइटी की फेकल्टी डॉ. विभावरी एवं डॉ. मंजरी सुमन तथा छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



वाद-विवाद प्रतियोगिता कार्यक्रम के अवसर पर दीपप्रज्वलित करते हुए कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी तथा अन्य



सैमसंग इनोवेशन कैपस

सैमसंग इनोवेशन कैपस : सैमसंग इनोवेशन कैपस के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में प्रशिक्षित 400 छात्रों का प्रमाणन समारोह, सैमसंग की एक प्रतिष्ठित सीएसआर पहल, इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) के सहयोग से 16 अक्टूबर को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने छात्रों को स्नातक स्तर की पढ़ाई के दौरान आगामी प्रौद्योगिकियों में प्रमाणित होने के लिए प्रेरित किया ताकि उन्हें प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में बढ़त हासिल हो सके, उन्होंने सभी प्रमाणित छात्रों को बधाई दी और सैमसंग इंडिया की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर सीएसआर सैमसंग के उप महाप्रबंधक श्री समरेंद्र बेहरा और ईएसएससीआई के उपाध्यक्ष श्री सरोज अपातो भी उपस्थित रहें।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एल्युमनाइ एसोसिएशन के गठन की घोषणा : 16 अक्टूबर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एल्युमनाइ एसोसिएशन के गठन की घोषणा की गई। यह एसोसिएशन सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत कराया गया। इस अवसर प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने बताया कि विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व छात्रों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित है। कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी ने कहा कि यह एसोसिएशन पूर्व छात्र, वर्तमान के छात्रों को रोजगार दिलाने में सहायक होंगे।



19वां फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा तथा अन्य

19वां फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन : 19 अक्टूबर को दिल्ली में उद्योग-अकादमिक जुड़ाव के माध्यम से एक प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का सह-निर्माण संबंधी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसका उद्देश्य शिक्षा जगत और उद्योग के बीच, उन तरीकों की खोज करना है जिनसे उद्योग और शिक्षा जगत लाभ उठा सकते हैं। इस कार्यक्रम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए।



वियतनाम में शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए डॉ. अरविन्द सिंह

वियतनाम में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व : 20 अक्टूबर को वियतनाम बौद्ध अध्ययन संस्थान की स्थापना के 35 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने 19 अक्टूबर को वियतनाम में बौद्ध अध्ययन संस्थान और भारतीय दूतावास द्वारा वियतनाम में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आदरणीय थिच मिन्ह चारु: वियतनाम के जुआनज़ैंग' पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया है। इस शोध पत्र में भारत और वियतनाम के बीच, विशेषकर बौद्ध धर्म के माध्यम से गहरे सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया है।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को बिजनेस स्कूलों में पाँचवाँ स्थान प्राप्त : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय CSR-बी स्कूल सर्वेक्षण 2024 में भारत के शीर्ष सरकारी बिजनेस स्कूलों में 5वाँ स्थान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को अमृतसर एवं संबलपुर के भारतीय प्रबंधन संस्थानों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की श्रेणी में रखती है। यह पहचान गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता और भविष्य के विद्वानों को आकार देने में इसकी भूमिका का प्रमाण है।



प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा

उच्च शिक्षा और शोध नेतृत्व बैठक में कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा शामिल : 23 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित 'उच्च शिक्षा और शोध नेतृत्व' बैठक में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई सीखने के अनुभवों को निजीकृत कर सकता है और शैक्षणिक परिणामों में सुधार कर सकता है। उन्होंने छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की और उभरते नौकरी बाजार के लिए स्नातकों को प्रासंगिक कौशल से लैस करने में इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। उनके योगदान ने उच्च शिक्षा के भविष्य और प्रौद्योगिकी के परिवर्तनकारी प्रभाव पर सार्थक चर्चा को जन्म दिया।



दीपावली मेला 'प्रज्ज्वलन-2024'

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में दीपावली मेला 'प्रज्ज्वलन-2024' का आयोजन : 25 अक्टूबर को स्कूल ऑफ लॉ जस्टिस एंड गवर्नेंस के स्कूल कल्चरर कमिटी द्वारा दीपावली मेला 'प्रज्ज्वलन-2024' का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। मेले में मुख्य आकर्षण हस्तकला सजावट की सामग्री, स्वदेशी वस्तुएँ, विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं मनोरंजक खेल आदि के स्टॉल रहे। विश्वविद्यालय के फेकल्टीज़ एवं छात्र-छात्राओं ने मेले का आनंद एवं लाभ उठाया।



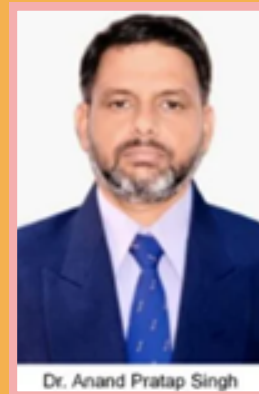
पूर्व छात्र संघ के पदाधिकारियों और संस्थापक सदस्यों की कुलपति एवं कुलसचिव से मुलाकात : 26 अक्टूबर को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ के पदाधिकारियों और संस्थापक सदस्यों ने माननीय कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा और रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी से मुलाकात की और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों को जोड़ने के लिए भविष्य की कार्यवाई पर चर्चा की।

नशा मुक्त भारत अभियान : 26 अक्टूबर को एनएसएस के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रथम ईकाई के स्वयं सेवकों ने नशा मुक्ति के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए चित्र तैयार किए। तत्पश्चात इसी अभियान के अंतर्गत छात्रों ने एक रैली निकाली। 26 की शाम को ही विश्वविद्यालय के सरोवर पर एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों ने बड़े उल्लासपूर्वक दीपोत्सव का आयोजन किया तथा साथ ही

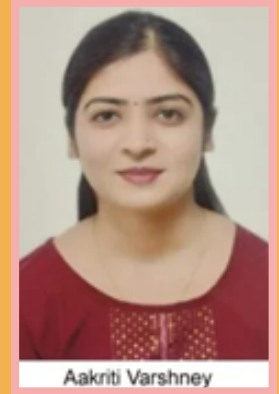


डॉ अजय कंसल और डॉ अल्पा यादव के साथ एनएसएस के छात्र

अतिसुंदर रंगोली तैयार की। इस कार्यक्रम के समन्वयक एवं अधिकारी डॉ.जे.पी. मुयाल, डॉ अजय कंसल और डॉ अल्पा यादव ने स्वयं सेवकों का मार्गदर्शन किया व उन्हें प्रेरित किया।



Dr. Anand Pratap Singh



Aakriti Varshney

मनोविज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं द्वारा मनोविज्ञान के क्षेत्र में नई चिकित्सा विधि विकसित : मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद प्रताप सिंह और उनकी शोध छात्रा आकृति वाष्णीय ने मनोविज्ञान के क्षेत्र में एक नई विधा विकसित की है, जिसे 'न्यूरो-कोग्निटिव प्लास्टिसिटी थेरेपी' (NCPT) का नाम दिया गया है। इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार के बौद्धिक संपदा विभाग द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है और आधिकारिक रूप से

कॉपीराइट प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। यह एनसीपीटी मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोलॉजिकल विकारों के उपचार में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। यह विधा मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ावा देने और नए न्यूरोल कनेक्शन्स को बनाने में सहायता करती है, जो मानसिक विकारों से ग्रस्त रोगियों के लिए एक प्रभावी उपचार का विकल्प हो सकता है। इस उपलब्धि से न केवल गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है, बल्कि यह भारत के चिकित्सा मनोविज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो सकती है। एनसीपीटी मूल रूप से न्यूरोफीडबैक थेरेपी एवं कॉग्निटिव थेरेपी का एक समेकित रूप है जिसके द्वारा मरीजों का उपचार कम समय में ही प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। यह उपचार एक वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ एवं एविडेंस बेस्ड चिकित्सा पद्धति पर आधारित है। दोनों ही शोधकर्ताओं का कहना है की वो इस विधा के प्रयोग को और विस्तारित करेंगे और आने वाले समय में इसके बहुआयामी उपयोग के लिए शोध कार्य करते रहेंगे। ज्ञात हो की गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय मनोविज्ञान के शिक्षा के क्षेत्र में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर पर उभरा है और पूरे देश में मनोविज्ञान के क्षेत्र में प्रमुख स्थान रखता है।



डॉ. एम.ए. अंसारी

डॉ. एम.ए. अंसारी को स्कॉलर जीबीएस द्वारा शीर्ष विद्वानों में स्थान प्राप्त : डॉ. एम. ए. अंसारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग को उनके उत्कृष्ट शोध और मजबूत प्रकाशन रिकॉर्ड के लिए ScholarGPS ©2024 मेटा एनालिटिक्स द्वारा एक शीर्ष विद्वान के रूप में मान्यता दी जा रही है। उनके शोध के प्रभाव और विद्वतापूर्ण योगदान की उल्लेखनीय गुणवत्ता ने उन्हें सभी विद्वानों के शीर्ष 0.5% में

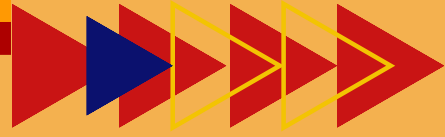
रखा है। उन क्षेत्रों का सारांश (और उन क्षेत्रों में उनकी रैंकिंग) जिसमें उनके करियर (जीवनकाल) की समग्र उपलब्धियों /या पिछले पांच वर्षों में 100+ से अधिक प्रकाशनों के आधार पर उन्हें शीर्ष विद्वान का दर्जा दिया गया है, यह इंटेलिजेंट कंट्रोल और ब्रेन ट्यूमर फ्रीजर विश्लेषण का क्षेत्र है।

©ScholarGPS, 14 व्यापक क्षेत्रों (जैसे चिकित्सा, इंजीनियरिंग, या मानविकी), 177 विषयों (जैसे सर्जरी, कंप्यूटर विज्ञान, या इतिहास) और 350,000 से अधिक विशिष्टताओं में समग्र रूप से (सभी क्षेत्रों में) व्यक्तियों और संस्थानों की रैंकिंग प्रदान करता है (जैसे कैंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या नैतिकता)।



छात्र शक्ति सिंह यादव को शाबाशी देते हुए कुलसचिव विश्वास कुमार त्रिपाठी

शक्ति सिंह यादव को मिला ब्रज केशरी खिताब : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध सभ्यता एवं अध्ययन विभाग के एम.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र शक्ति सिंह यादव को ब्रज केशरी के खिताब से नवाज़ा गया। मिट्टी कुश्ती संघ ने ब्रज केशरी टाइटल प्रतियोगिता का आयोजन किया था। जिसमें 18 जिलों के बेहतरीन पहलवानों ने भाग लिया। इस प्रतिस्पर्धा में शक्ति सिंह यादव ने अपनी उत्कृष्टता साबित करते हुए ब्रज केशरी टाइटल अपने नाम किया। शक्ति सिंह यादव ने सेमीफाइनल में बदरी उर्फ आकाश पहलवान (नोएडा) को हराया और फिर फाइनल में हनी पहलवान को चित्त करके टाइटल जीता। शक्ति पहलवान को इस शानदार जीत के लिए भारत मिट्टी कुश्ती संघ ने एक गर्ज और 21,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया है। तत्पश्चात् 10 से 12 अक्टूबर को हरीश इंटर कॉलेज, लखनऊ कैंट में आयोजित तीन दिवसीय विशाल कुश्ती दंगल में शक्ति सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश केशरी का खिताब भी अपने नाम किया। इसके साथ ही शक्ति सिंह को एक लाख रुपये की नगद राशि पुरस्कार स्वरूप प्राप्त हुई।



डॉ. रेनू यादव को मिला प्रथम 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान 2024' : उर्वरक क्षेत्र की प्रमुख संस्था इफको ने 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान 2024' डॉ. रेनू यादव को उनकी कहानी संग्रह 'काला सोना' के लिए प्रदान किया। इफको का युवा साहित्य सम्मान इसी वर्ष से प्रारंभ हुआ है, जो कि डॉ. रेनू यादव के हिस्से में आया है। यह सम्मान 30 सितम्बर, 2024 को इंडिया हैबिटेड सेंटर, नई दिल्ली में इफको प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी के मार्गदर्शन में प्रो. असगर वजाहत, अनामिका, श्री प्रियदर्शन, यतीन्द्र मिश्र, डॉ. नलिन विकास, उत्कर्ष शुक्ल, मानव संसाधन एवं विधि के निदेशक श्री राकेश कपूर, संयुक्त प्रबंध निदेशक श्रीमती रेखा अवस्थी, विपणन निदेशक आर.पी.सिंह, योगेन्द्र आहुजा तथा साहित्य प्रेमियों एवं छात्रों की उपस्थिति में वरिष्ठ साहित्यकार विश्वनाथ - त्रिपाठी के करकमलों से प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत रेनू यादव को शॉल, एक प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र और ढाई लाख रुपये का चेक प्रदान किया।



'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान 2024' प्राप्त करते हुए डॉ. रेनू यादव

डॉ. रेनू यादव गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में एवं अकादमिक दृष्टि से एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले काला सोना को बैखरी संस्था द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता में प्रथम आने के लिए 'गोवर्धन लाल चौमाल कहानी पुरस्कार 2024' प्राप्त हो चुका है। यह ध्यातव्य है कि इस कार्यक्रम में वर्ष 2024 का 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति साहित्य सम्मान 2024' वरिष्ठ कथाकार चन्द्र किशोर जायसवाल को उनके साहित्यिक उपलब्धियों के लिए प्राप्त हुआ है।



एडमिशन टीम

एडमिशन : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में सेशन 2024-25 में 3000 से अधिक एडमिशन हुआ।

पीएच.डी. : बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के न्यूयेन मान्ग थी न्यूयेन, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के कमल कांत सिंह तथा दिलीप यादव, स्कूल ऑफ लॉ, जस्टिस एंड गवर्नेंस के संगीत सरोहा, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के यामिनी यथक को पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई।

प्लेसमेंट : टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, तोशो कॉर्पोरेशन, अमर उजाला लिमिटेड, प्रदर्शनी शोकेस, पारिजात इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, इंफो एज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड हायर इंडिया, एचडीएफसी लाइफ, रुपेक फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेपसिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इंडियामार्ट आदि कम्पनियों के द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव में 50 से अधिक छात्रों का चयन हुआ।





संपादकीय-मंडल

प्रमुख संरक्षक : प्रो. रवीन्द्र कुमार सिन्हा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

संरक्षक : डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

मुख्य संपादक : प्रो. बंदना पांडेय, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

संपादक : डॉ. रेनू यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

डिज़ाइनिंग: श्री राजकुमार, तकनीकी अधीक्षक, सीसीसी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

शिक्षणेत्तर सहयोगी : अमित, कार्यालय सहायक, कुलपति ऑफिस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय

नोट : यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु सूचना मात्र है, न कि कानूनी दस्तावेज़ ।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
नियर यमुना एक्सप्रेस-वे, ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर,
उत्तर प्रदेश-201312 (भारत)
फ़ोन नं.: 0120-2344200